एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर (चित्रकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –चित्रकला का इतिहास (20 वीं सदी यूरोप)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर

(चित्रकला / व्यवहारिक कला एवं मूर्तिकला)

प्रथम प्रश्न पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- ललित कलाओं का अंतःसम्बन्ध।

यूनिट–II

- भारतीय सौन्दर्यशास्त्र की अवधारणा।

यूनिट–III

- कला का समाज पर प्रभाव।

यूनिट–IV

- कला का राट्रीय चरित्र।

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

विभागाध्यक्ष

एम0एफ0ए0–प्रथम सेमेस्टर–चित्रकला

द्वितीय प्रश्नपत्र–कला का इतिहास (20 वीं सदी यूरोप)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- आधुनिक पाश्चात्य चित्रकला की पूर्व पीठिका ।
- नव शास्त्रीयतावाद, स्वच्छन्दतावाद, यथार्थवाद, प्रभाववाद।

यूनिट–II

- उत्तर प्रभाववाद,
- फाववाद।

यूनिट–III

- घनवाद।
- अभिव्यंजनावाद।

यूनिट–IV

- दादावाद।
- अतियथार्थवाद।
- भविष्यवाद।
- पॉप तथा ऑप आर्ट

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

विभागाध्यक्ष

Fine Art –M.F.A, Syllabus-2018

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर (चित्रकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –चित्रकला का इतिहास (भारतीय)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर

(चित्रकला / व्यवहारिक कला / मूर्तिकला)

प्रथम प्रश्न–पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट –I

- कला की सामाजिक चेतना, राष्ट्रीयता और परिवेशीय आधार ।

यूनिट –II

- कलात्मक विचार का उद्भव एवं विकास।

यूनिट –III

- कला और सृजन प्रकिया।

यूनिट –4

- कला और कल्पना।

विभागाध्यक्ष

Fine Art -M.F.A Syllabus-2018

एम0एफ0ए0–द्वितीय सेमेस्टर–चित्रकला
द्वितीय प्रश्न–कला का इतिहास (भारतीय)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- भारतीय आधुनिक चित्रकला की पूर्व पीठिका–कम्पनी शैली, लोक एवं जनजातीय कला की प्रवृत्तियॉ, लोक संस्कृति के विभिन्न आयाम, समाजिक परिपेक्ष्य एवं कला।

यूनिट–II

- भारतीय आधुनिक कला का प्रारम्भ–राजा रविवर्मा, अमृता शेरगील

यूनिट–III

- भारतीय चित्रकला का पुनर्उत्थान ।
- अवनीन्द्रनाथ, गगनेन्द्रनाथ, नन्दलाल बोस, असित कुमार हलदार, क्षितीन्द्रनाथ मजूमदार, सुधीर खास्तगीर, जे0एम0 अहिवासी, ।

यूनिट–IV

- 20 वीं शताब्दी के आधुनिक कला परिदृश्य एवं विभिन्न कलाकार समूह–बाम्बे प्रोग्रेसिव कलाकार समूह, कलकत्ता समूह, दिल्ली शिल्पी चक्र, चोल मण्डल समूह दक्षिण भारत।

<u>प्रायोगिक</u>

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

विभागाध्यक्ष

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर (चित्रकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –चित्रकला का इतिहास (आधुनिक)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर

(चित्रकला / व्यवहारिक कला / मूर्तिकला)

प्रथम प्रश्न–पत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- भारतीय कला की मूल प्रवृत्ति।

यूनिट–II

- पूर्वाद्व और पाश्चात्य सौन्दर्य शास्त्रीय प्रतिमानों का संक्षिप्त तुलनात्मक अध्ययन।

यूनिट–III

- कला का वैश्वीकरण।

यूनिट–IV

- सृजनात्मकता सम्बन्धित कुछ विचार–
- **क–** भाव, **ख– कल्पना, ग**– प्रेरणा,**घ**– अंतश्चेतना, **ड.–**अनुकरण।

विभागाध्यक्ष

Fine Art-M.F.A Syllabus-2018

एम0एफ0ए0–तृतीय सेमेस्टर–चित्रकला

द्वितीय प्रश्न–कला का इतिहास (मध्यकालीन यूरोपीय चित्रकला)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- गोथिक के पूर्व चित्रकला का इतिहास।
- गोथिक चित्रकला।

यूनिट–II

- आरम्भिक पुनर्जागरण।
- हाई रेनेसॉ (उत्तर पुनर्जागरण कला)।

यूनिट–III

- बरोक कला।
- रोकोको कला।

यूनिट–IV

- शास्त्रीयतावाद।
- नवशास्त्रीयतावाद।

प्रायोगिक

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

विभागाध्यक्ष

Fine Art M.F.A Syllabus-2018

एम0एफ0ए0– चतुर्थ सेमेस्टर (चित्रकला)

सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक प्रश्नपत्रों का अंक विवरण

	विषय–सैद्धान्तिक विषय–	अंक
1.	प्रथम प्रश्नपत्र–सौन्दर्य शास्त्र एवं कला के सिद्धान्त	100
2.	द्वितीय प्रश्नपत्र –चित्रकला का इतिहास (समकालीन भारतीय कला)	100
	प्रायोगिक विषय–	
1.	कम्पोजिशन / म्यूरल / पोट्रेट	100
2.	ड्राइंग / स्केच	100
3.	डिस्प्ले	75
4.	पोर्टफोलियो	25
		500

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर

(चित्रकला / व्यवहारिक कला / मूर्तिकला)

प्रथम प्रश्न–पत्र–स्वतंत्रता के पश्चात भारतीय कला

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- भारतीय कला में संस्थागत प्रोत्साहन।
- आधुनिक कला संग्रहालय, ललित कला अकादमी।

यूनिट–II

- भारतीय आधुनिक कला में देशज तत्वों का स्वरूप।,

यूनिट–III

- 1970 एवं 1980 के दशक की कला।

यूनिट–IV

- भारतीय समकालीन कला एवं वैश्वीकरण का स्वरूप।

विभागाध्यक्ष

Fine Art-M.F.A Syllabus-2018

एम0एफ0ए0–चतुर्थ सेमेस्टर–चित्रकला

द्वितीय प्रश्न–कला का इतिहास (समकालीन भारतीय कला)

समय–3 घण्टा
पूर्णांक–100

यूनिट–I

- **भारतीय समकालीन चित्रकला के प्रतिनिधि कलाकार**–शैलोज मुखर्जी, एन0एस0 बेन्द्रे, जी0आर0सन्तोष, गणेश पाईन, विमलदास गुप्ता।

यूनिट–II

- जे स्वामीनाथन, मंजित बावा, रामकुमार, विकास भट्टाचार्या, लक्ष्मणपै, ए रामचन्द्रन, गुलाम शेख, के0जी0 सुब्रमण्यम,

यूनिट–III

- अंजलि इलामेनन्, अपर्णाकौर, बी0 प्रभा, मनुपारिख, अनुपम सूद, परमजीत सिंह।

यूनिट–IV

- सोमनाथ होर, दीपक बनर्जी, दिलीपदास गुप्ता, जोगेन चौधरी, बिवान सुन्दरम, रामचन्द्र शुक्ल एवं अन्य।

प्रायोगिक

नोट–

डिस्प्ले –सेमेस्टर के दौरान अपने किये कार्यो का प्रदर्शन एवं कम से कम 20 पेज का अपने कार्यो का परिचय।

चयनित विषय–सेमेस्टर के दौरान विद्यार्थी अपने **व्यक्तिक** रूपकार अभिप्राय अवधारणा के साथ प्राथमिक रेखाकंन, लेआउट और निसर्गचित्र का विकाश करेगें। (05 कार्य)।

म्यूरल– अवधारणात्मक एवं तकनीक द्वारा परम्पारगत और आधुनिक भित्ति चित्रों में प्रयोग (05 कार्य)।

व्यक्तिचित्र– व्यक्ति चित्रों के प्रकार, विभिन्न माध्यमों में प्रयोग (05 कार्य)।

विभागाध्यक्ष